भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 21

उत्तर देने की तारीख-22/07/2024

उच्च शिक्षा में नामांकित लड़कियां

21. श्री बालाशौरी वल्लभनेनीः

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि उच्च शिक्षा में छात्राओं की नामांकन संख्या 2 करोड़ को पार कर गयी है;

(ख) यदि हां, तो विशेष रूप से आन्ध्र प्रदेश सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में नौकरी/नियोजन खोजने वाली उच्च शिक्षा प्राप्त लड़कियों के आंकड़ो को संकलित किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार किस प्रकार अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर चुकी लड़कियों के लिए इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करती है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकांत मजूमदार)

(क) जी हां, अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई), 2021-22 के अनुसार, महिला नामांकन वर्ष 2014-15 में 1.57 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 2.07 करोड़ हो गया है (32% की वृद्धि) ।

(ख) एआईएसएचई, 2021-22 के अनुसार, आंध्र प्रदेश सहित उच्च शिक्षा में महिला नामांकन का राज्यवार ब्यौरा https://www.education.gov.in/parl_ques पर उपलब्ध है।

(**ग**) से (ड.) देश में नौकरी/नियोजन पाने वाले उच्च शिक्षा छात्रों के बारे में ब्यौरा उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा संकलित नहीं किया जाता है।

युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दिशा में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, में समग्र शिक्षा के भाग के रूप में, सभी उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में छात्रों को स्थानीय उद्योग, व्यवसाय, कलाकारों, शिल्पकारों आदि के साथ इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने की परिकल्पना की गई है, साथ ही अपने स्वयं के या अन्य एचईआई/शोध संस्थानों में संकाय और शोधकर्ताओं के साथ शोध इंटर्नशिप भी प्रदान करती है, ताकि छात्र अपने अधिगम के व्यावहारिक पक्ष में सक्रिय रूप से शामिल हो सकें और इसके परिणामस्वरूप उनकी रोजगार क्षमता में और सुधार हो सके। इसके अलावा, एनईपी 2020 में स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर, प्रौद्योगिकी विकास केंद्र और अधिक से अधिक उद्योग-अकादमिक संपर्क स्थापित करके एचईआई द्वारा अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की परिकल्पना की गई है। इसके अतिरिक्त, स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

इसके अलावा, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने मौजूदा पाठ्यक्रम में सुधार किया है और इंजीनियरिंग और पीजीडीएम/एमबीए पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा, अवरस्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए परिणाम आधारित मॉडल पाठ्यक्रम शुरू किया है। भारतीय तकनीकी शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने और अपने छात्रों को व्यावहारिक अनुभव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, एआईसीटीई नई इंटर्नशिप नीति तैयार की है जो पूरे भारत में तकनीकी संस्थानों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में इंटर्नशिप को अनिवार्य बनाती है।

*****